कर्युं [सं.वि+वृ]

विवसाइउ नलरा. वेपारी, व्यवसाय करनार, [धंधादारी] (सं.व्यवसायिक)

विवसाय जुओ विवाय

विवह (विहय) तेरका. वैभव

विवहपरइ, विवहप्परि ऐतिका. गुर्जरा. प्रद्युचु. विविध प्रकारे

विवहार ऋषिरा. वीसरा. व्यवहार, [आदान-प्रदान, संबंध]; गुर्जरा. व्यवहार, रूढि, रिवाज

विवहारियज, विवहारी, विवहारीयज आरारा. नलरा. प्राचीफा. विक्ररा. वेपारी (सं.व्यवहारिन्)

विवागइ ऋषिरा. (कर्मना) विपाकथी, [परिणामथी]

"विवाय ["विवसाय] चंद्रवा.?, [व्यवसाय]

विवाहलु ऐतिका. ऐतिरा. विवाहनुं काव्य, [विवाहलो, प्रशस्तिमूलक चरित्रकाव्य, दीक्षादि उत्सवप्रसंगनुं काव्य]; जुओ वीवाहलउ

विविष्ठ ऐतिका. नेमिछं. विविध, जुदाजुदा विवीशाल उषाह. वेशवाळ, [वेविशाळ] विवीहउ प्राचीसं. पपीहा, बपैयो विवेक आरारा. विचार, निश्चय (सं.); लावल. सारानरसानो भेद, [विचार,

भेदज्ञान]
विवेकी उपवा. सारासारनो भेद करनार,
[ज्ञानी] (सं.विवेकी)

विरामे *चित्तसं*. शमे, विरमे विशा *षडावा. [वसा, अंश, भाग] विशाखी कादं(शा). लोखंडनी आंकडीवाळी नानी लाकडी – बावा साधु राखे छे तेवी (सं.विशाखिका)

विशेक चंद्रवा. विशेष विशेख हरिवि. विशेष

विश्रमे *प्रेमाका. [विश्राम पामे छे, -मां विरमे छे, ठरे छे] [सं.विश्रमति]

विश्राम पाम्यो चित्तसं. शांति पाम्यो, संतोष पाम्यो

विश्वाल नलरा. [नष्ट], शांत; शृंगामं. नष्ट, विष्ठिन्न, [खंडित]; जुओ विसराल

विश्वा आरारा. संभवतः विश्वदेवने संबोधन विश्वा ऐतिरा. वसा, [गुणांक, दोकडा]; जुओ वसा सोइ, विसा विसाही

विश्वाध्यार अंबरा. विश्वाधार

विश्वानर ऐतिका. वैश्वानर, अग्नि

विश्वानल *दशस्कं(१)*. वैश्वानर, अग्नि विश्वा वीसइ *ऐतिरा*. वीश वसा, [संपूर्ण-

पणे]; जुओ वीस वसा

विष पंचवा. विशे, -मां (सं.विषये)

विषइया, विषईआ उपवा. षडावा. विषयक विषकन्या पंचवा. जेना देहमां विष व्यापेलुं छे तेवी कन्या, [अमुक प्रकारनां सामुद्रिक लक्षणो धरावनार कन्या, जेने कारणे एनी साथे संभोग करनार मृत्यु

विषत्र *ऋषिरा*. खिन्न (सं.विषण्ण)

विषमायुध *वसंवि. वसंवि(ब्रा).* कामदेव (सं.)

विषवाद *ऐतिका. [अफसोस, दुःख];

पामेी